

कथा का नियंत्रण: समकालीन हस्बारा, डिजिटल प्रचार, और इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष में धारणा की मनोविज्ञान

आधुनिक संघर्ष में, सूचना अब युद्ध की पृष्ठभूमि नहीं है - यह **युद्ध ही है**। चित्र, शब्द, हैशटैग और एल्गोरिदम अब बमों और गोलियों की तरह ही निश्चित हथियार के रूप में कार्य करते हैं। युद्धक्षेत्र केवल गाजा, वेस्ट बैंक या संयुक्त राष्ट्र के हॉल तक सीमित नहीं है - यह आपके फोन का स्क्रीन, आपका न्यूज फीड और आपकी भावनात्मक प्रतिक्रियाएँ भी हैं। लड़ाई केवल भूमि के लिए नहीं, बल्कि **सत्य, स्मृति और नैतिक धारणा** के लिए है। और इस क्षेत्र में, इज़राइल का प्रचार तंत्र - जिसे **हस्बारा** के नाम से जाना जाता है - दुनिया के सबसे उन्नत और आक्रामक कथा संचालनों में से एक के रूप में उभरा है।

परंपरागत रूप से “व्याख्या” के रूप में अनुवादित, **हस्बारा** खुद को सार्वजनिक कूटनीति के रूप में प्रस्तुत करता है: वैश्विक समुदाय को इज़राइल की कार्रवाइयों को “स्पष्ट” करने का प्रयास। लेकिन व्यवहार में, यह एक व्यापक, राज्य-समर्थित मनोवैज्ञानिक और डिजिटल प्रभाव संचालन के रूप में कार्य करता है। इसका उद्देश्य केवल मनाना नहीं, बल्कि **कथा को नियंत्रित** करना है - कौन पीड़ित या आक्रामक, वैध या अपराधी, मानवीय या एकल-उपयोग के रूप में देखा जाता है।

पिछले दो वर्षों में, इज़राइल के गाजा पर बढ़े हुए हमले और वैश्विक डिजिटल सक्रियता के उदय के बीच, हस्बारा एक नई अवस्था में प्रवेश कर चुका है। यह अब प्रेस रिलीज़ या राज्य मीडिया तक सीमित नहीं है, बल्कि **एल्गोरिदम, प्रभावशाली नेटवर्क, गलत सूचना अभियानों और कॉर्पोरेट प्रवर्तन** के माध्यम से कार्य करता है। **X (पूर्व में ट्विटर)** और **टिकटॉक** जैसी प्लेटफ़ॉर्म, जो कभी लोकतांत्रिकरण के स्थान के रूप में कल्पना की गई थीं, डिजिटल युद्धक्षेत्रों में बदल गई हैं जहाँ पीड़ा की दृश्यता - और प्रतिरोध की वैधता - एल्गोरिदमिक मिटाने के अधीन हैं।

उसी समय, **लैरी एलिसन** जैसे शक्तिशाली अरबपति, जो अब ओरेकल और स्काईड्रांस/पैरामाउंट के माध्यम से टिकटॉक और विरासत मीडिया दोनों पर प्रमुख प्रभाव रखते हैं, शीर्ष से नीचे की ओर वैचारिक अनुरूपता लागू कर रहे हैं। प्रो-फिलिस्तीनी आवाज़ें राज्य सेंसरशिप के अलावा **नियोक्ता नीतियों, एल्गोरिदमिक दमन और मनोवैज्ञानिक हेरफेर** द्वारा अधिक से अधिक शांत हो रही हैं, जो उन प्लेटफ़ॉर्मों में ही एम्बेडेड हैं जिनका हम दुनिया को समझने के लिए उपयोग करते हैं।

लेकिन इन सबके बावजूद, सत्य बना रहता है।

नेत्रहीन गवाहियाँ, डिजिटल अभिलेखागार और वैश्विक चेतना ने हस्बारा भ्रम का प्रतिरोध करना और उसे तोड़ना शुरू कर दिया है। इस कार्य का उद्देश्य पाठकों को **दस्तावेज़ीकरण, उजागर और उपकरणों** से लैस करना है ताकि वे इस भ्रम को समझ सकें और चुनौती दें - इससे पहले कि यह स्वयं वास्तविकता बन जाए।

हस्बारा का विकास - शीत युद्ध कूटनीति से डिजिटल वर्चस्व तक

“हस्बारा” (הסברה) शाब्दिक रूप से हिब्रू में “व्याख्या” का अर्थ है। सतह पर, यह स्पष्टीकरण या सार्वजनिक कूटनीति का संकेत देता है - इज़राइल का प्रयास दुनिया को “खुद को समझाने” का। लेकिन हस्बारा केवल व्याख्यात्मक नहीं है; यह **प्रदर्शनकारी, निवारक और हेरफेरकारी** है। यह फिलिस्तीन के कब्जे के संदर्भ में इज़राइल के बारे में वैश्विक कथाओं को नियंत्रित करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक समन्वित प्रचार ढांचा है।

पारंपरिक जनसंपर्क के विपरीत, हस्बारा **सैन्यीकृत और संस्थागत** है, सुरक्षा राज्य में निहित है, और प्लेटफ़ॉर्म, भाषाओं और अनुशासनों में अभ्यास किया जाता है। इसका उद्देश्य बहस जीतना नहीं है - बल्कि **वास्तविकता की शर्तों को परिभाषित** करना है इससे पहले कि बहस शुरू हो।

उत्पत्ति: ज़ायोनीस्त समर्थन से राज्य प्रचार तक

हस्बारा के बीज 1948 में इज़राइल की स्थापना से बहुत पहले बोए गए थे। 20वीं सदी के प्रारंभ में ज़ायोनीस्त नेता पश्चिमी जनमत को आकार देने के महत्व को पहचानते थे। चाइम वीज़मैन और थियोडोर हर्ज़ल जैसे व्यक्ति केवल राजनयिक नहीं थे, बल्कि **कथा उद्यमी**, जो ब्रिटिश और अमेरिकी अभिजात वर्ग को यह समझाने का काम करते थे कि ज़ायोनीवाद एक आधुनिक, सभ्यता-निर्माण परियोजना है न कि औपनिवेशिक।

इज़राइल राज्य की स्थापना के बाद, हस्बारा ने अधिक औपचारिक भूमिका निभाई। शीत युद्ध के दौरान, इज़राइली अधिकारी राज्य को एक शत्रुतापूर्ण अरब क्षेत्र में उदारवादी लोकतंत्र का गढ़ के रूप में प्रेम करते थे, अमेरिकी मूल्यों और सोवियत प्रभाव के पश्चिमी भयों के साथ संरेखित।

हस्बारा के प्रारंभिक प्रमुख लक्ष्यों में शामिल थे:

- **नकबा** को उचित ठहराना (1948 में 700,000 से अधिक फिलिस्तीनियों का जबरन विस्थापन)
- 1967 के वेस्ट बैंक, गाजा और पूर्वी यरूशलेम के कब्जे को “रक्षात्मक युद्ध” के रूप में पुनः ब्रांडिंग
- 1982 के लेबनान युद्ध और इंटिफादा दमन जैसे सैन्य कार्रवाइयों से आलोचना को मोड़ना

इन सभी अवधियों में, हस्बारा **पश्चिमी प्रेस, कूटनीतिक सहयोगियों और यहूदी डायस्पोरा संस्थानों** पर निर्भर था ताकि इज़राइल की घटनाओं की संस्करण को बढ़ावा दिया जा सके। इज़राइल को छोटा, घेराबंदी में और नैतिक रूप से श्रेष्ठ के रूप में चित्रित किया गया - भारी सैन्य शक्ति रखने के बावजूद।

संस्थागतीकरण: हस्बारा नौकरशाही का उदय

1970 और 80 के दशक तक, हस्बारा इज़राइली राज्य के भीतर औपचारिक हो गया। **विदेश मंत्रालय, रणनीतिक मामलों का मंत्रालय और आईडीएफ प्रवक्ता इकाइयाँ** ने प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय राय को आकार देने पर केंद्रित प्रचार विंग विकसित किए।

प्रमुख विकासों में शामिल थे:

- विदेश मंत्रालय में **हस्बारा विभाग** की स्थापना
- इज़राइली राजनयिकों और सैनिकों के लिए “कथा अनुशासन” पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- संयुक्त राज्य अमेरिका में मीडिया संदेशों को समन्वयित करने के लिए **एआईपीएसी** और संबद्ध लॉबी का उपयोग
- पीआर फर्मों, थिंक टैंकों और प्रमुख अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स के साथ साझेदारियाँ

यह केवल इज़राइल को अच्छे प्रकाश में रखने के बारे में नहीं था - यह **फिलिस्तीनी प्रतिरोध को वैधता से वंचित** करने, आलोचना को यहूदी-विरोधी के रूप में पुनः फ्रेम करने और पश्चिमी राजधानियों में राजनीतिक निर्णय लेने को प्रभावित करने के बारे में था।

हस्बारा हैंडबुक: प्रचार व्यवहार में

2000 के दशक तक, हस्बारा पारंपरिक कूटनीति से आगे बढ़कर **मास-मीडिया प्रभाव और गलत सूचना तकनीकों** में चला गया। इस अवधि का एक प्रमुख कलाकृति “**हस्बारा हैंडबुक**” है, एक गाइड जो इंटरनेट युग की शुरुआत में इज़राइल समर्थकों के बीच व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था।

हैंडबुक में रेटोरिकल रणनीतियाँ जैसे हैं:

- **स्कोरिंग पॉइंट्स बनाम सत्य खोज**: हमेशा तर्क जीतने का लक्ष्य रखें, मुद्दे को समझाने का नहीं
- **भावनात्मक अपील**: भय, अपराधबोध और आघात को उकसाना (उदाहरण के लिए, होलोकॉस्ट या आतंकवाद का निरंतर संदर्भ)
- **पुनर्निर्देशन**: जब इज़राइल की कार्रवाइयों पर चुनौती दी जाए, तो हमास, ईरान या यहूदी-विरोधी पर मुड़ें

• **अपमान और वैधता से वंचित:** संदेश नहीं, दूत पर हमला करें - विशेष रूप से आलोचकों, पत्रकारों और विद्वानों पर ये रणनीतियाँ राज्य अभिनेताओं तक सीमित नहीं हैं। अब ये **छात्र समूहों, डायस्पोरा संगठनों और ऑनलाइन स्वयंसेवकों** के माध्यम से फैलाई जाती हैं, जो डिजिटल प्रचारकों की वैश्विक सेना का निर्माण करती हैं।

हस्बारा 2.0: डिजिटल मोड़

वास्तविक परिवर्तन 2010 के दशक में आया और 2020 के दशक में तेज़ हो गया। जैसे-जैसे पारंपरिक मीडिया का प्रभाव कम हुआ और सोशल मीडिया का प्रभुत्व बढ़ा, हस्बारा ने मोड़ लिया। यह **प्रभावशाली अभियानों, एआई मॉडरेशन, एल्गोरिदम इंजीनियरिंग और रीयल-टाइम डिजिटल गलत सूचना** पर ध्यान केंद्रित करने लगा।

प्रमुख विकासों में शामिल हैं:

- आईडीएफ का **“स्पोकसमैन यूनिट”** हवाई हमलों को वीरता के रूप में पुनः फ्रेम करने के लिए वायरल टिकटॉक बनाना
- व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर समन्वित नागरिक **“हस्बारा योद्धा”** प्रो-फिलिस्तीनी पोस्ट की सामूहिक रिपोर्टिंग के लिए
- इज़राइली सरकार **बहु-मिलियन डॉलर डिजिटल अभियानों** को वित्त पोषित करती है ताकि प्लेटफ़ॉर्म को प्रो-इज़राइल सामग्री से भर दिया जाए, विशेष रूप से हिंसा के बढ़े हुए कालावधियों के दौरान
- 2019 का इज़राइली मंत्रालय निविदा **“वैधता से वंचित अभियानों”** को लक्षित करने के लिए एक गुप्त सोशल मीडिया संचालन के लिए 3 मिलियन NIS की पेशकश करना

ये प्रयासों ने विश्लेषकों द्वारा **हस्बारा 2.0** नामक में चरम पर पहुँचाया - एक प्रचार शासन जो प्लेटफ़ॉर्म युग के लिए अनुकूलित है, जहाँ **गति, वायरलिटी और भावनात्मक हेरफेर** तथ्यों या नीतियों से अधिक मायने रखते हैं।

प्लेटफ़ॉर्म प्रचार के रूप में - हस्बारा ने X (पूर्व में ट्विटर) को कैसे कब्जा किया

जब एलन मस्क ने 2022 के अंत में ट्विटर को अधिग्रहित किया और इसे **X** के रूप में पुनः ब्रांड किया, तो प्लेटफ़ॉर्म एक नई वैचारिक अवस्था में प्रवेश कर गया। **“मुक्त वाक्पटुता”** के लिए एक आश्रय के रूप में विपणन किया गया, X तेज़ी से कुछ बहुत अधिक पक्षपाती में विकसित हो गया: **राज्य-संबद्ध सूचना युद्ध का युद्धक्षेत्र**, जहाँ इज़राइल का हस्बारा तंत्र अपनी संदेशों को बढ़ाने, असहमति को दबाने और इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष की सार्वजनिक धारणा को रीयल-टाइम में आकार देने के लिए उपजाऊ भूमि पा गया।

जबकि ट्विटर लंबे समय से पूर्वाग्रह और मॉडरेशन असममितियों की समस्याओं से ग्रस्त था, मस्क के बाद का युग **राज्य-संबद्ध कथा इंजीनियरिंग** में नाटकीय वृद्धि को चिह्नित करता है - इज़राइली सरकार, आईडीएफ और संबद्ध नेटवर्क प्लेटफ़ॉर्म परिवर्तनों, नेतृत्व की सहानुभूतियों और एल्गोरिदमिक अपारदर्शिता का पूर्ण लाभ उठाते हुए एक प्रमुख दृष्टिकोण को मजबूत करने के लिए।

प्लेटफ़ॉर्म से प्रॉक्सी तक: हस्बारा लक्ष्यों के साथ X कैसे संरेखित हुआ

7 अक्टूबर 2023 हमला हमलों और इज़राइल के बाद के गाजा पर हमले के तुरंत बाद, हस्बारा संचालन अतिरिक्त ड्राइव में प्रवेश कर गए। उसी समय, X इन प्रयासों के साथ **संरचनात्मक रूप से संरेखित** हो गया:

एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह

- प्रो-इज़राइल सामग्री दृश्यता में उछाल आई**, अक्सर कम संलग्नता के बावजूद फुलाए गए पहुँच के साथ।
- प्रो-फिलिस्तीनी पोस्ट दफन हो गए**, छाया-निषिद्ध या **“आतंकवाद-समर्थक”** के रूप में चिह्नित, भले ही पत्रकारों या विद्वानों द्वारा पोस्ट किए गए हों।

- **#गाजा** जैसे ट्रेंडिंग टॉपिक्स रहस्यमय ढंग से प्लेटफ़ॉर्म की दृश्यता उपकरणों से गायब हो गए भारी बमबारी और गाजा में नागरिक मौतों की अवधियों के दौरान।

एलन मस्क द्वारा समर्थन

- मस्क ने व्यक्तिगत रूप से **खातों को बढ़ावा दिया** जो गलत सूचना फैलाने या अत्यधिक पक्षपाती प्रो-इज़राइल सामग्री के लिए जाने जाते हैं।
- उन्होंने इज़राइली प्रभाव नेटवर्क से जुड़े आंकड़ों को प्लेटफ़ॉर्म किया, जिसमें वे शामिल हैं जो महत्वपूर्ण सैन्य संचालनों के दौरान आईडीएफ संदेशों को दोहराते थे।
- कई मामलों में, मस्क ने खुद हस्बारा टॉकिंग पॉइंट्स को प्रतिध्वनित किया, इज़राइल की आलोचना को सुरक्षा खतरे या “चरमपंथी प्रचार” के रूप में पुनः फ्रेम किया।

सेंसरशिप को बढ़ावा देने वाली नीति समायोजन

- “समुदाय नोट्स” सुविधा, जो संदर्भ जोड़ने के लिए थी, अक्सर **प्रो-फिलिस्तीनी आवाज़ों को कमज़ोर करने के लिए हथियारबंद** की गई।
- **मास सस्पेंशन्स** ने पत्रकारों, कलाकारों और यहां तक कि घटनाओं के रीयल-टाइम फुटेज पोस्ट करने वाले उत्तरजीवियों को लक्षित किया।
- असहमति वाली आवाज़ों को अक्सर “गलत सूचना” के रूप में लेबल किया गया बिना अपील या स्पष्टीकरण के।

साथ में, ये संरचनात्मक परिवर्तनों ने उपयोगकर्ताओं द्वारा **“हस्बारा फीड”** नामक बनाया - एक हेरफेर की गई वास्तविकता की संस्करण जहाँ एक क्रूर संघर्ष का केवल एक पक्ष लगातार दृश्यमान था, और दूसरे के लिए सहानुभूति एल्गोरिदमिक रूप से हतोत्साहित की गई।

डिजिटल ब्रिगेड और सामग्री बाढ़

X पर हस्बारा की सफलता कभी केवल एल्गोरिदमों पर निर्भर नहीं रही। मानवीय हस्तक्षेप - **अक्सर समन्वित** - ने प्रमुख भूमिका निभाई है।

डिजिटल ब्रिगेड:

- स्वयंसेवक और भुगतान वाले हस्बारा प्रभावशाली नेटवर्क में काम करते हैं ताकि **प्रो-फिलिस्तीनी खातों की सामूहिक रिपोर्टिंग** की जाए।
- ये नेटवर्क **टिप्पणियाँ** स्क्रिप्टेड टॉकिंग पॉइंट्स से भर देते हैं, धागों को उत्पीड़न से विचलित करते हैं और वायरल होने पर सुधारना कठिन गलत सूचना बोलते हैं।

बाढ़ रणनीति:

- प्रमुख क्षणों के दौरान (जैसे अस्पताल बमबारी, संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव), X को **प्रो-इज़राइल इन्फोग्राफिक्स**, एआई-जनरेटेड सामग्री या भावनात्मक रूप से हेरफेर करने वाले वीडियो से भर दिया जाता है जो आईडीएफ सैनिकों को अनिच्छुक मानवतावादियों के रूप में चित्रित करते हैं।
- उद्देश्य केवल मनाना नहीं है - यह **आयतन नियंत्रण** है। आलोचनात्मक पोस्ट को शुद्ध संतृप्ति से डुबोने के लिए।

यह प्रथा **राज्य साझेदारियों** द्वारा सहायता प्राप्त है। इज़राइली सरकार ने सोशल मीडिया प्रचार में निवेश का दस्तावेजीकरण किया है, जिसमें शामिल हैं:

- पश्चिमी दर्शकों को लक्षित \$145 मिलियन सार्वजनिक कूटनीति अभियान।
- 2019 की निविदा जो डिजिटल प्रभाव संचालनों के लिए लाखों शेकेल की पेशकश करती है।
- नेतन्याहू द्वारा सोशल मीडिया को “हथियार” के रूप में उपयोग करने के लिए अमेरिकी सार्वजनिक राय को आकार देने के लिए सार्वजनिक रूप से स्वीकार किए गए योजनाएँ।

कथा फ्रेमिंग: पीड़ितता से नैतिक औचित्य तक

X का हस्बारा एम्पलीफायर में परिवर्तन ने संघर्ष की **कथा फ्रेमिंग** को भी स्थानांतरित कर दिया है:

- **इज़राइल को शाश्वत पीड़ित** के रूप में चित्रित किया जाता है, सैन्य असममिति या造成的 नागरिक हानियों की परवाह किए बिना।
- **फिलिस्तीनियों को लगातार आतंकवाद से जोड़ा जाता है**, भाषा और दृश्य संकेतों के माध्यम से मानवता से वंचित किया जाता है, भले ही बच्चों या अस्पतालों पर चर्चा की जा रही हो।
- **संरचनात्मक हिंसा, कब्जा और अपार्टहाइड को अदृश्य** बनाया जाता है प्रत्येक वृद्धि को रक्षात्मक कार्य के रूप में पुनः फ्रेम करके।

ये फ्रेमिंग्स के माध्यम से बढ़ाए जाते हैं:

- **ब्लू-चेक प्रभावशाली** (अक्सर भुगतान किए गए) जो बमबारी के दौरान वायरल सामग्री पोस्ट करते हैं।
- **एआई-जनरेटेड थ्रेड्स** जो भावनात्मक रूप से आकर्षक भाषा और इमेजरी का उपयोग करते हैं ताकि सैन्य कार्रवाई के लिए समर्थन बनाए रखा जाए।
- **गलत सूचना रणनीतियाँ**, जैसे पत्रकारों या एनजीओ को हमास से झूठ से जोड़ना ताकि उनकी रिपोर्टिंग को बदनाम किया जाए।

मॉडरेशन से हेरफेर तक: प्लेटफॉर्म तटस्थता की मृत्यु

X अब “शहर का चौक” नहीं है। यह एक **सैन्यीकृत सूचना प्रणाली** है, जहाँ संलग्नता इंजीनियर्ड है, दृश्यता नियंत्रित है, और राजनीतिक असहमति कोड और जबरदस्ती दोनों के माध्यम से प्रबंधित की जाती है।

यह एक खतरनाक मिसाल कायम करता है - न केवल इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष के लिए, बल्कि **वैश्विक लोकतंत्र और डिजिटल अधिकारों** के लिए। जब युद्ध का एक पक्ष पूर्ण-रेंज एल्गोरिदमिक संरक्षण का आनंद लेता है - और दूसरा डिबूस्टिंग, प्रतिबंधों और मानहानि का सामना करता है - परिणाम बहस नहीं है। यह **उत्पादित सहमति** है।

टिकटॉक और एलिसन सिद्धांत - प्रभाव, विचारधारा और प्लेटफॉर्म कब्जा

2020 के प्रारंभ में, **टिकटॉक** जेन Z के लिए सबसे शक्तिशाली सांस्कृतिक और राजनीतिक प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा। वैश्विक रूप से एक अरब से अधिक उपयोगकर्ताओं और अमेरिका में अकेले 150 मिलियन से अधिक के साथ, टिकटॉक एक स्थान बन गया जहाँ वैश्विक कथाएँ न केवल साझा की गईं - वे *महसूस* की गईं। युद्ध, विद्रोह या अन्याय के समयों में, यह दृश्य गवाही की फ्रंटलाइन के रूप में कार्य करता था: तेज़, अनफ़िल्टर्ड और भावनात्मक रूप से प्रत्यक्ष।

यह कच्ची शक्ति ही थी जिसने टिकटॉक को खतरे में बदल दिया - सरकारों, निगमों और हस्बारा जैसे शक्तिशाली कथा शासन के लिए।

प्रारंभ में, टिकटॉक की अमेरिकी जांच **डेटा गोपनीयता और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रभाव के भयों** पर केंद्रित थी, इसके स्वामित्व के कारण चीनी टेक दिग्गज **बाइटडांस**। हालांकि, 2025 में, यह चिंता “हल” हो गई जब टिकटॉक के अमेरिकी संचालन का 80% हिस्सा **अमेरिकी निवेशकों के संघ** को बेच दिया गया, जिसमें **ओरेकल** - प्रो-इज़राइल अरबपति **लैरी एलिसन** द्वारा नेतृत्व किया गया - टिकटॉक के **एल्गोरिदम और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर** की निगरानी करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा था।

फिर भी, जो हुआ वह तटस्थता या नागरिक स्वतंत्रता की बहाली नहीं था।

इसके बजाय, **टिकटॉक वैचारिक प्रवर्तन का एक और अंग** बन गया, विशेष रूप से **इज़राइली राज्य हितों**, अमेरिकी विदेश नीति कथाओं और अरबपतियों की सांस्कृतिक प्रभाव के साथ संरेखित।

खरीद जो एक साम्राज्य को दूसरे से बदल दिया

सितंबर 2025 में, द्विपक्षीय दबाव और ट्रम्प-युग कार्यकारी आदेश के तहत, टिकटॉक के अमेरिकी संचालन को प्रभावी रूप से जब्त कर लिया गया और अमेरिकी टेक अभिजातों को सौंप दिया गया। लैरी एलिसन का **ओरेकल** ने डेटा गवर्नेंस और एल्गोरिदमिक निगरानी का नियंत्रण ले लिया - एक निर्णय जो राष्ट्रीय सुरक्षा शिकारियों और व्यवसाय मीडिया द्वारा मनाया गया।

लेकिन चीनी राज्य प्रभाव को एलिसन के वैचारिक साम्राज्य के बदले में, अमेरिका ने टिकटॉक को “अराजनीतिक” नहीं बनाया - इसने केवल **प्लेटफ़ॉर्म की निष्ठा को पुनर्निर्देशित** किया। और वह निष्ठा तटस्थ नहीं है।

एलिसन केवल एक व्यापारी नहीं है। वह है:

- **इज़राइल और आईडीएफ का मुखर समर्थक**
- **प्रो-इज़राइल राजनीतिक लॉबी और सैन्य कार्यक्रमों का प्रमुख वित्तपोषक**
- अपने बेटे के **पैरामाउंट ग्लोबल** अधिग्रहण के पीछे वित्तीय वास्तुकार, जिसमें **सीबीएस, शोटाइम** और अमेरिकी मीडिया का विस्तृत स्वाथ शामिल है

संक्षेप में, एलिसन का प्रभाव फैला हुआ है:

- **बिग टेक** (ओरेकल)
- **सोशल मीडिया** (ओरेकल की इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से टिकटॉक)
- **मुख्यधारा मीडिया** (पैरामाउंट/सीबीएस)
- **अमेरिकी राजनीति** (ट्रम्प का प्रमुख दानदाता, मार्को रुबियो सहित अन्यो से संबंध)

वह सूचना प्रणाली को केवल आकार नहीं देता - वह **उसे स्वामित्व** करता है।

एलिसन सिद्धांत: वैचारिक नियंत्रण के रूप में कॉर्पोरेट संस्कृति

2023 के अंत में गाजा युद्ध वृद्धि के बाद, ओरेकल से आंतरिक रिपोर्टें उभरने लगीं। इनमें एलिसन के प्रभाव के तहत **कॉर्पोरेट संस्कृति परिवर्तन** का खुलासा हुआ, विशेष रूप से क्योंकि ओरेकल टिकटॉक के संचालन को लेने की स्थिति में था।

प्रमुख विकासों में शामिल थे:

- कार्यकारी जो कंपनी संस्कृति में “इज़राइल के लिए प्रेम” को एम्बेड करने की मांग करते हैं
- इज़राइली सैन्य कार्रवाइयों पर चिंता व्यक्त करने वाले कर्मचारियों को **कॉर्पोरेट मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों** को संदर्भित किया जाता है
- प्रो-फिलिस्तीनी कार्यकर्ता अपने विचारों के लिए **अनुशासनात्मक दबाव** या प्रतिशोध का सामना करते हैं
- 2025 की शुरुआत में ओरेकल के दर्जनों कर्मचारियों का एक खुला पत्र जो कंपनी के इज़राइली सैन्य टेक और सेंसरशिप संचालनों से गहराते संबंधों का विरोध करता है

ये प्रथाएँ केवल पूर्वाग्रह को प्रतिबिंबित नहीं करतीं - वे **सत्तावादी कंडीशनिंग** को उकसाती हैं: विचार कि प्रो-इज़राइल विश्वदृष्टि से विचलन अस्थिरता, भ्रम या अविश्वसनीयता का लक्षण है।

यह ठंडक भरा वातावरण टिकटॉक पर ही परिवर्तनों में प्रतिबिंबित हुआ।

टिकटॉक पर सेंसरशिप: शांत, लक्षित और प्रभावी

ओरेकल द्वारा टिकटॉक के एल्गोरिदम और इंफ्रास्ट्रक्चर पर नियंत्रण लेने के बाद, उपयोगकर्ताओं ने प्रो-फिलिस्तीनी आवाज़ों को प्रभावित करने वाली दमन रणनीतियों की एक श्रृंखला की रिपोर्ट की है:

दृश्यता में गिरावट

- इज़राइली हवाई हमलों, नागरिक मौतों या गाजा से गवाहियों को दस्तावेज़ करने वाले पोस्ट खरीद से पहले की तुलना में **कम संलग्नता** प्राप्त करने लगे।
- **#फ्रीपैलेस्टाइन** या **#सीजफायरनाउ** जैसे हैशटैग आंतराधिक रूप से दबाए गए या खोजने योग्य बनाए गए।
- “ग्राफिक” या “भ्रमक” के रूप में चिह्नित वीडियो **हटाए या प्रतिबंधित** किए गए - भले ही वे सत्यापित हों या पत्रकारों द्वारा पोस्ट किए गए हों।

लक्षित खाता कार्रवाइयाँ

- प्रमुख फिलिस्तीनी निर्माता और कार्यकर्ता **शैडोबैन**, खाता निलंबन और सामग्री हटाने की बिना चेतावनी की रिपोर्ट करते हैं।
- गाजा से समाचार साझा करने वाले सत्यापित खातों ने अपना **पहुँच नाटकीय रूप से गिरा** देखा, विशेष रूप से सक्रिय बमबारी की अवधियों के दौरान।

प्रचार संवर्धन

- हस्बारा-शैली इन्फोग्राफिक्स और प्रभावशाली टिप्पणियों सहित प्रो-इज़राइल सामग्री, **फॉर यू फीड्स** में अधिक प्रमुख रूप से प्रदर्शित की गई।
- इज़राइली सरकार से जुड़े अभियानों के प्रायोजित पोस्ट **अमेरिकी दर्शकों को धकेले गए**, कभी-कभी शैक्षिक या मानवीय के रूप में फ्रेम किए गए।

यह **सामग्री असममिति** X पर देखी गई समान गतिशीलताओं को प्रतिबिंबित करती है - लेकिन **युवा उपयोगकर्ताओं** के बीच टिकटॉक की पहुँच इसे विशेष रूप से खतरनाक बनाती है। प्लेटफ़ॉर्म एक **वैचारिक ग्रूमिंग ग्राउंड** बन गया है, जहाँ **चयनात्मक दृश्यता** को सामान्य, स्वीकार्य या “सही” माना जाता है, की नैतिक सीमाओं को निर्धारित करती है।

एल्गोरिदमिक तटस्थता से वैचारिक युद्ध तक

टिकटॉक को एक बार उन आवाज़ों के लिए प्लेटफ़ॉर्म के रूप में देखा गया जो कम प्रतिनिधित्व वाली हैं - जिसमें फिलिस्तीनी शामिल हैं - सुनी जाने के लिए। यह था:

- बमबारी के कच्चे फुटेज के लिए
- कब्जे वाले क्षेत्रों से व्यक्तिगत गवाही के लिए
- मुख्यधारा समाचार पूर्वाग्रहों को बायपास करने वाली वायरल एकजुटता आंदोलनों के लिए

लेकिन ओरेकल और एलिसन के तहत, प्लेटफ़ॉर्म की वैचारिक संरक्षण बदल रही है। यह केवल दृश्यता के बारे में नहीं है - यह **मूल्य कोडिंग** के बारे में है:

- इज़राइली सैनिक रक्षकों के रूप में चित्रित किए जाते हैं।
- फिलिस्तीनियों को - स्पष्ट या निहित रूप से - खतरों के रूप में चित्रित किया जाता है।
- पीड़ा एल्गोरिदमिक रूप से एक प्रकार के शोक को पक्षपातपूर्ण तरीके से व्यूरेट की जाती है।

यह **कथा इंजीनियरिंग पैमाने पर** है - और यह “सामग्री मॉडरेशन” और “ब्रांड सुरक्षा” के बहाने किया जा रहा है।

एलिसन का मीडिया साम्राज्य: कथा दीवार को मजबूत करना

टिकटॉक का कब्जा एलिसन की व्यापक मीडिया एकीकरण रणनीति का केवल एक नोड है। स्काईडॉंस मीडिया और **पैरामाउंट ग्लोबल** के अधिग्रहण के माध्यम से, एलिसन परिवार अब नियंत्रित करता है:

- सीबीएस न्यूज़
- शोटाइम
- कॉमेडी सेंटरल
- निकेलोडियन

- पैरामाउंट पिक्चर्स
- वैश्विक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म

ओरेकल और टिकटॉक के साथ, एलिसन का प्रभाव लगभग **सूचना उपभोग के हर प्रमुख माध्यम** को कवर करता है, बच्चों के प्रोग्रामिंग से लेकर एंटरप्राइज़ डेटाबेस तक वायरल वीडियो प्लेटफॉर्म तक।

उनके गहरे राजनीतिक संबंधों और वैचारिक कठोरता के साथ, यह केवल मीडिया स्वामित्व नहीं है - यह **कथा एकाधिकार** है। और यह युद्ध को साफ़ करना, असहमति को अनुशासित करना और अनुमत सहानुभूति की सीमाओं को परिभाषित करने के लिए उपयोग किया जा रहा है।

हस्बारा के मनोवैज्ञानिक प्रभाव - एल्गोरिदम, चिंता और सार्वजनिक भावना का आकारण

प्रचार की शक्ति केवल यह नहीं है कि यह क्या कहता है, बल्कि यह **मन** के साथ क्या करता है।

समकालीन हस्बारा - शीत युद्ध का अवशेष होने से बहुत दूर - एक **उन्नत मनोवैज्ञानिक प्रभाव प्रणाली** है। यह अब केवल राज्य मीडिया को नियंत्रित करने या प्रेस रिलीज़ को घुमाने पर निर्भर नहीं है। यह अब **एल्गोरिदम, इंटरफेस डिज़ाइन, पुरस्कार प्रणालियों और सामाजिक फीडबैक लूप्स** में रहता है।

डिजिटल युग में हस्बारा केवल **मनाने** का उद्देश्य नहीं रखता - यह **कंडीशनिंग** का उद्देश्य रखता है। सार्वजनिक भावना को आकार देने, नैतिक प्रतिक्रियाओं को ढालने, असहमति को दबाने और सहमति की धारणा को इंजीनियर करने के लिए।

भावना की एल्गोरिदमिक इंजीनियरिंग

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं द्वारा देखी जाने वाली चीज़ों को एल्गोरिदमिक “फीड्स” के माध्यम से क्यूरेट करते हैं जो संलग्नता को अधिकतम करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं - लेकिन ये एल्गोरिदम यह भी निर्धारित करते हैं कि किस प्रकार की जानकारी **पुरस्कृत** या **अदृश्य** की जाती है। हस्बारा संचालन इसका शोषण करते हैं यह सुनिश्चित करके कि **प्रो-इज़राइल सामग्री बढ़ाई जाए** जबकि **प्रो-फिलिस्तीनी सामग्री को डिबूस्ट** या दबाया जाए।

परिणाम **भावनात्मक कंडीशनिंग** है:

- सामग्री जो **इज़राइल की कथा का समर्थन करती है** लाइक्स, रीट्वीट्स और व्यूज़ प्राप्त करती है - उपयोगकर्ता के लिए **डोपामाइन हिट्स** ट्रिगर करती है और उन व्यवहारों को मजबूत करती है।
- इज़राइल की आलोचना करने वाली सामग्री, चाहे कितनी सटीक या तत्काल हो, अक्सर कम या कोई संलग्नता नहीं प्राप्त करती - **निराशा, आत्म-संदेह और अंततः वापसी** की ओर ले जाती है।

यह एक **पुरस्कार-दंड लूप** बनाता है:

- **संलग्नता = सही**
- **चुप्पी = शर्म**
- समय के साथ, उपयोगकर्ता अनजाने में **स्व-समायोजन** करते हैं ताकि अच्छा प्रदर्शन करने वाली सामग्री के साथ संरेखित हों, **दृश्यता को सत्य** के साथ भ्रमित करें।

इको चैंबर्स और उत्पादित सहमति

जब X और टिकटॉक जैसी प्लेटफॉर्म एक राजनीतिक कथा के एक पक्ष को बढ़ावा देते हैं, तो वे **डिजिटल इको चैंबर्स** बनाते हैं - वातावरण जहाँ उपयोगकर्ता संकीर्ण राय सीमा के बार-बार संपर्क में आते हैं, **सार्वभौमिक सहमति** के भ्रम को मजबूत करते हैं।

इसके गहरे मनोवैज्ञानिक परिणाम हैं:

- **एश की अनुरूपता प्रयोगों** के अनुसार, मनुष्य समूह राय अपनाने की प्रवृत्ति रखते हैं - भले ही वे व्यक्तिगत विश्वासों से टकराएँ - यदि वे खुद को असहमति में अकेला महसूस करते हैं।
- यह **बहुलवादी अज्ञानता** की ओर ले जाता है: विश्वास कि निजी दृष्टिकोण गलत या हाशिए पर हैं क्योंकि कोई और उन्हें साझा करने वाला प्रतीत नहीं होता।
- इज़राइल-फिलिस्तीन संदर्भ में, इसका मतलब है कि **फिलिस्तीनियों के लिए सहानुभूति को खतरनाक या असामान्य** माना जाता है, भले ही उपयोगकर्ता जो निजी तौर पर वह सहानुभूति महसूस करते हों।

परिणाम केवल चुप्पी नहीं है - यह **आंतरिककृत विकृति** है। उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या **अपने स्वयं के नैतिक प्रवृत्तियों पर अविश्वास** करना शुरू कर देती है।

चुप्पी की सर्पिल: अलगाव के माध्यम से शांत करना

जब उपयोगकर्ता देखते हैं कि प्रो-फिलिस्तीनी सामग्री दंडित की जाती है - प्रतिबंधों, कम पहुँच, उत्पीड़न या कार्यस्थल परिणामों द्वारा - वे **स्व-संयम** सीखते हैं। यह विशेष रूप से सत्य है:

- अकादमिक या पेशेवर प्रतिक्रियाओं से डरने वाले छात्रों के लिए
- डिमोनेटाइज़ेशन का डरने वाले निर्माताओं के लिए
- ओरेकल जैसे प्रो-इज़राइल कंपनियों के कर्मचारियों के लिए जिन्होंने असहमति के लिए सहकर्मियों को **मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों** को संदर्भित होते देखा है

यह **चुप्पी की सर्पिल** सिद्धांत के साथ संरेखित है:

लोग कम संभावना रखते हैं कि वे एक राय व्यक्त करें यदि वे सामाजिक अलगाव या दंड का डर रखते हैं। जितने कम लोग बोलते हैं, उतनी ही मजबूत धारणा है कि असहमति दुर्लभ है - इस प्रकार चुप्पी को मजबूत करती है।

यह **ठीक वही वातावरण है जिसे हस्बारा बनाने का लक्ष्य रखता है।**

असहमति का पैथोलॉजीकरण

हाल के वर्षों में, मनोवैज्ञानिक जबरदस्ती फीड से आगे कार्यस्थल और समुदाय में चली गई है। 2023-2025 गाजा युद्ध के दौरान ओरेकल से रिपोर्टें एक गहराई से चिंताजनक पैटर्न प्रकट करती हैं:

- इज़राइली कार्रवाइयों के आलोचक कर्मचारियों को उनकी चिंताओं के पदार्थ पर संलग्न करने के बजाय **मानसिक स्वास्थ्य समर्थन** को संदर्भित किया गया।
- कार्यकारी "इज़राइल के लिए प्रेम" की मांग करते हैं कंपनी संस्कृति के हिस्से के रूप में - असहमति को **भावनात्मक अस्थिरता** या **अतार्किकता** के रूप में फ्रेम करके।
- टेक और मीडिया स्थानों में, प्रो-फिलिस्तीनी दृष्टिकोण **पैथोलॉजीकृत** होते हैं, जबकि इज़राइल के समर्थन को **तार्किक, नागरिक और नैतिक** के रूप में सामान्यीकृत किया जाता है।

यह रणनीति सत्तावादी प्लेबुक्स से खींची है: नैतिक विरोध को **मानसिक भ्रम** के रूप में पुनः फ्रेम करना, प्रतिरोध को राजनीतिक दृष्टिकोण के रूप में नहीं बल्कि **मनोवैज्ञानिक विचलन** के रूप में व्यवहार करना।

भावनात्मक थकान और बर्नआउट

शायद समकालीन हस्बारा का सबसे सामान्य मनोवैज्ञानिक प्रभाव **भावनात्मक थकान** है:

- जो उपयोगकर्ता अत्याचारों को दस्तावेज़ करने की कोशिश करते हैं - विशेष रूप से गाजा में - वे महसूस करते हैं कि वे **"शून्य में चिल्ला रहे हैं।"**
- साक्ष्यों के बावजूद, उनके पोस्ट अनदेखे या हटा दिए जाते हैं।

- कई निराशा, चिंता या सहकर्मियों से अलगाव महसूस करने का वर्णन करते हैं जो प्रतीत होता है कि उन्हें परवाह नहीं है।

यह निम्नलिखित की ओर ले जाता है:

- **डिजिटल बर्नआउट:** निरंतर भावनात्मक श्रम के कारण सक्रियता से वापसी
- **नैतिक विघटन:** उत्तरजीविता तंत्र के रूप में आघात से मनोवैज्ञानिक दूरी
- **सहानुभूति थकान:** अधिकएक्सपोजर और माने गए निरर्थकता के कारण पीड़ा के प्रति सुन्नता

अंत में, यह **सहयोगिता की मनोवैज्ञानिक क्षरण** हस्बारा के सबसे प्रभावी उपकरणों में से एक है। सेंसरशिप के माध्यम से अकेले नहीं, बल्कि **थकान** के माध्यम से।

दर्शकों का शिशुकरण

हस्बारा की एक अन्य प्रमुख रणनीति **सरलीकरण** है - जटिल भू-राजनीति को भावनात्मक रूप से हेरफेर करने वाले ट्रॉप्स के माध्यम से फ्रेम करना:

- **इज़राइल शाश्वत पीड़ित के रूप में**
- **आईडीएफ दुनिया की "सबसे नैतिक सेना" के रूप में**
- **फिलिस्तीनी आतंकवादी, या एजेंसी रहित निष्क्रिय पीड़ितों के रूप में**

यह भावनात्मक फ्रेमिंग दर्शकों को शिशु化 करती है:

- यह **आलोचनात्मक सोच को हतोत्साहित** करती है
- यह **तथ्यात्मक बारीकियों पर भावनात्मक निष्ठा को प्राथमिकता** देती है
- यह **नैतिक द्वंद्व** को पालती है - अच्छा बनाम बुरा, हम बनाम वे - संदर्भ, इतिहास या संरचनात्मक आलोचना के लिए कोई जगह नहीं छोड़ते

उपयोगकर्ता समझने के लिए प्रशिक्षित नहीं होते, बल्कि **सही दिशा में महसूस** करने के लिए। और उस भावनात्मक स्क्रिप्ट से विचलन सामाजिक रूप से दंडनीय हो जाता है।

हस्बारा और पश्चिम - लॉबिंग, लॉफेयर और एकजुटता का अपराधीकरण

हस्बारा धारणा को आकार देने पर रुकता नहीं है। इसका अंतिम लक्ष्य **धारणा को शक्ति में परिवर्तित** करना है - विधान, सैन्य वित्तपोषण, व्यापार नीति और कानूनी ढांचों में जो **प्रतिरोध को दंडित** करते हैं और **सहभागिता को पुरस्कृत** करते हैं।

पश्चिम में - विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी और फ्रांस में - हस्बारा एक **राजनीतिक उपकरण** में विकसित हो गया है। यह वायरल वीडियो या प्रभावशाली अभियानों के माध्यम से नहीं, बल्कि **लॉबिंग, लॉफेयर, अकादमिक दमन और नागरिक समाज की निगरानी** के माध्यम से तैनात किया जाता है।

लॉबिंग इंफ्रास्ट्रक्चर: पश्चिमी हस्बारा का इंजन रूम

पश्चिम में हस्बारा का सबसे शक्तिशाली विस्तार इसका **लॉबिंग इंफ्रास्ट्रक्चर** है, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में। संगठन जैसे:

- **एआईपीएसी** (अमेरिकन इज़राइल पब्लिक अफेयर्स कमिटी)
- **एडीएल** (एंटी-डिफेमेशन लीग)
- **स्टैंडविथअस**
- **द इज़राइली-अमेरिकन काउंसिल**
- और कई कम ज्ञात पीएसी

...एक परस्पर जुड़े नेटवर्क का निर्माण करते हैं जो:

- चुनावों को प्रभावित करता है
- इज़राइल के प्रति अमेरिकी विदेश नीति को आकार देता है
- बीडीएस आंदोलन को दबाने के लिए विधान का मसौदा तैयार करता है
- यहूदी-विरोधी परिभाषाओं को धकेलता है जो एंटी-ज़ायोनीवाद को नफरत भाषण के बराबर रखता है

ये समूह केवल वकालत संगठन नहीं हैं - वे **नीति इंजीनियर** हैं, अमेरिकी राजनीतिक इंफ्रास्ट्रक्चर में गहराई से एम्बेडेड।

वित्तीय लीवरेज:

- एआईपीएसी ने अकेले **\$100 मिलियन से अधिक** 2022 और 2024 अमेरिकी चुनाव चक्रों में खर्च किया, इज़राइल के लिए अटल समर्थन का वादा करने वाले उम्मीदवारों का समर्थन किया - भले ही गाजा में मौतों की संख्या बढ़ रही हो।
- राजनीतिक दान **इज़राइल के प्रति निष्ठा का लिटमस टेस्ट** के रूप में उपयोग किए जाते हैं। लैरी एलिसन, उदाहरण के लिए, वित्तीय बैकिंग की पेशकश करने से पहले उनके इज़राइल के रुख के आधार पर राजनीतिक उम्मीदवारों को **जाँचा** करने की सूचना दी गई।

उम्मीदवार अनुशासन:

- इज़राइली नीति के आलोचक उम्मीदवार - जैसे **इल्हान उमर, रशीदा तलीब** या **जमाल बोमैन** - समन्वित बदनामी अभियानों, गलत सूचना हमलों और हस्बारा-संबद्ध धनराशि से समर्थित प्राथमिक चुनौतियों का सामना करते हैं।

यह प्रभाव का स्तर सुनिश्चित करता है कि **अमेरिकी विदेश नीति इज़राइल के समर्थन में लॉक रह जाए**, सार्वजनिक राय, कानूनी उल्लंघनों या मानवाधिकार चिंताओं की परवाह किए बिना।

लॉफेयर: एकजुटता को अपराध में बदलना

पश्चिम में हस्बारा की अगली सीमा **लॉफेयर** है - कानूनी प्रणालियों का उपयोग फिलिस्तीनी अधिकारों के समर्थकों को अपराधीकरण और डराने के लिए।

बीडीएस का अपराधीकरण:

- 2025 तक, **36 अमेरिकी राज्य** ने इज़राइल के खिलाफ **बॉयकॉट, डाइवैस्टमेंट और सैंक्शंस (बीडीएस)** गतिविधियों में भाग लेने वाले व्यक्तियों या व्यवसायों को दंडित करने वाले कानून या कार्यकारी आदेश पारित किए हैं।
- ये कानून, कई इज़राइली लॉबिंग समूहों के साथ साझेदारी में लिखे गए, अक्सर:
 - ठेकेदारों को **एंटी-बीडीएस प्रतिज्ञाएँ** पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होती है
 - प्रो-फिलिस्तीनी सक्रियता के लिए छात्रों या संकाय को दंडित करता है
 - "एंटी-इज़राइल" माने गए संगठनों से सार्वजनिक वित्त पोषण रोकता है

यहूदी-विरोधी की पुनः परिभाषा:

- पश्चिमी सरकारें **आईएचआरए (इंटरनेशनल होलोकॉस्ट रिमेम्ब्रेंस एलायंस)** यहूदी-विरोधी की परिभाषा को अपनाने की ओर बढ़ रही हैं, जिसमें इज़राइल की आलोचना को संभावित नफरत अपराध के रूप में शामिल किया जाता है।
- आलोचक तर्क देते हैं कि यह **यहूदी-विरोधी के आरोप को हथियारबंद** करता है ताकि राजनीतिक प्रवचन और अकादमिक स्वतंत्रता को शांत किया जा सके।
- जर्मनी और फ्रांस में, यह परिभाषा पहले से ही **पुलिस दमन** को प्रो-फिलिस्तीनी रैलियों पर, प्रतिबंधित विरोध प्रदर्शनों और एनजीओ की जाँचों पर ले गई है।

संस्थागत सेंसरशिप:

- **विश्वविद्यालय प्रोफेसर**, विशेष रूप से अमेरिका और यूके में, फिलिस्तीनी इतिहास पढ़ाने या उपनिवेश-मुक्तिकरण आंदोलनों के समर्थन को व्यक्त करने के लिए बढ़ते जोखिम का सामना कर रहे हैं।
- **कैनरी मिशन** जैसे संगठन फिलिस्तीनी अधिकारों की वकालत करने वाले छात्रों और विद्वानों की सार्वजनिक ब्लैकलिस्ट बनाए रखते हैं - सूचियाँ जो अक्सर नियोक्ताओं और आव्रजन अधिकारियों द्वारा उपयोग की जाती हैं।

एकजुटता आंदोलनों की निगरानी और पुलिसिंग

लॉफेयर के समानांतर, हस्बारा-संबद्ध सरकारें और संस्थाएँ प्रो-फिलिस्तीनी संगठन की निगरानी और डराने के लिए **काउंटर-आतंकवाद भाषा** को अपनाने की ओर बढ़ रही हैं।

कैंपस निगरानी:

- **सेंट्स फॉर जस्टिस इन पैलेस्टाइन (एसजेएपी)** के विश्वविद्यालय अध्याय दानदाताओं और लॉबिंग समूहों के दबाव में निगरानी, घुसपैठ या निलंबित किए जाते हैं।
- कैंपस कार्यकर्ता **रैडिकल्स या सुरक्षा खतरों** के रूप में ब्रांडेड किए जाते हैं, विशेष रूप से गाजा या वेस्ट बैंक में हिंसा की बढ़ी अवधियों के बाद।

एनजीओ धमकी:

- सहायता समूह, मानवाधिकार निगरानी और यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसियाँ नियमित रूप से इज़राइली दुर्व्यवहारों को दस्तावेज़ करने पर “आतंकवाद समर्थन” का आरोप लगाया जाता है।
- **आईडीएफ और इज़राइली विदेश मंत्रालय** मानवीय कार्यकर्ताओं और रिपोर्टरों को लक्षित करने वाले बदनामी अभियानों से जुड़े हुए हैं - विशेष रूप से वे जो गाजा या यरूशलेम में संचालित होते हैं।

यात्रा प्रतिबंध और वीज़ा रद्दीकरण:

- फिलिस्तीनी अधिवक्ता, विद्वान और पत्रकार “चरमपंथ” या “आतंकवादी सहानुभूतियों” के अस्पष्ट आरोपों के तहत पश्चिमी देशों में प्रवेश से वंचित, सीमाओं पर चिह्नित या बोलने के अवसरों से प्रतिबंधित होते हैं।

संक्षेप में, **सक्रियता स्वयं को खतरे के रूप में पुनः परिभाषित** किया जा रहा है - न कि सार्वजनिक सुरक्षा को जोखिम में डालने के कारण, बल्कि कथा नियंत्रण को धमकी देने के कारण।

सांस्कृतिक युद्ध: फिलिस्तीनी वैधता को मिटाना

राज्य-समर्थित एकजुटता का दमन फिलिस्तीनी वैधता को पूरी तरह से मिटाने के लिए एक **व्यापक सांस्कृतिक परियोजना** द्वारा मजबूत किया जाता है।

अकादमिक दमन:

- सेटलर उपनिवेशवाद, अपार्टहाइड या स्वदेशी प्रतिरोध पर कोर्स फैसे काटे जाते हैं या राजनीतिक रूप से लक्षित किए जाते हैं यदि वे फिलिस्तीन को शामिल करते हैं।
- सम्मेलनों को रद्द किया जाता है, वक्ताओं को डी-प्लेटफ़ॉर्म किया जाता है, और विद्वतापूर्ण प्रकाशन हस्बारा-संबद्ध वित्तपोषकों के दबाव में सेंसर किए जाते हैं।

मीडिया सैनिटाइज़ेशन:

- पश्चिमी मीडिया संस्थान जारी रखते हैं:
 - इज़राइली आक्रामकता को “स्व-रक्षा” के रूप में फ्रेम करना

- **कब्जा, जातीय सफाई** या **अपार्टहाइड** जैसे शब्दों का उपयोग करने से बचना
- फिलिस्तीनी विद्वानों पर हस्बारा “विशेषज्ञों” को प्लेटफॉर्म करना
- इस फ्रेमिंग को चुनौती देने वाले पत्रकारों को फटकारा जाता है, असाइनमेंट से हटाया जाता है या ऑनलाइन उत्पीड़न अभियानों का सामना करना पड़ता है।

सांस्कृतिक ब्लैकलिस्टिंग:

- फिलिस्तीन के समर्थन को व्यक्त करने वाले कलाकार, फिल्म निर्माता और संगीतकार **डी-इनवाइटेड, ब्लैकलिस्टेड या दंडित** होते हैं, विशेष रूप से अमेरिकी और यूके त्योहार सर्किट में।
- प्रमुख सांस्कृतिक वित्तपोषक अक्सर अप्रत्यक्ष **“एंटी-बीडीएस” अनुपालन** की आवश्यकता रखते हैं, वित्तपोषण को राजनीतिक चुप्पी से बाँधते हैं।

प्रतिरोध और उजागर - हस्बारा मशीन को तोड़ना

हस्बारा नियंत्रण पर फलता-फूलता है: मीडिया का, संदेशों का, धारणा का। यह अपनी वास्तविकता के संस्करण से सूचना पारिस्थितिकी तंत्र को अभिभूत करने पर निर्भर करता है जबकि लॉफेयर, सेंसरशिप और मनोवैज्ञानिक जबरदस्ती के माध्यम से प्रतिस्पर्धी कथाओं को शांत करता है।

लेकिन सबसे परिष्कृत प्रचार प्रणाली की भी **सीमाएँ - और फटे -** हैं।

पश्चिमी संस्थानों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों में हस्बारा की प्रभुता के बावजूद, एक वैश्विक प्रतिकथा उभरी है। यह विकेंद्रीकृत, डिजिटल मूल निवासी, नैतिक रूप से आधारित है, और अक्सर संस्थागत शक्ति वाले उन लोगों द्वारा संचालित है - पत्रकार, कार्यकर्ता, कलाकार, उत्तरजीवी और तकनीशियन जो **मिटाने के तहत सत्य-बोलने** के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गवाही की शक्ति: पत्रकारिता प्रतिरोध के रूप में

हस्बारा के लिए प्रतिरोध का एक सबसे शक्तिशाली रूप **गवाही का कार्य** है - विशेष रूप से रीयल-टाइम में।

नागरिक पत्रकारिता:

- 2023-2025 गाजा युद्धों में, दुनिया को जो ज्ञात है वह मुख्यधारा आउटलेट्स से नहीं आया, बल्कि **सीधे वीडियो फुटेज** से जो फिलिस्तीनियों द्वारा कब्जा किया गया और सोशल मीडिया के माध्यम से साझा किया गया।
- ये कच्ची गवाहियाँ - शोकग्रस्त माताएँ, बमबारी वाले अस्पताल, घायल बच्चे - सैनिटाइज़्ड कथाओं को काटती हैं और लाखों तक पहुँचती हैं, अक्सर **सेंसर होने से पहले**।

जाँच रिपोर्टिंग:

- **+972 मैगज़ीन, द इंटरसेप्ट, मिडिल ईस्ट आई, और इलेक्ट्रॉनिक इंतिफादा** जैसे आउटलेट जारी रखते हैं:
 - इज़राइली सैन्य गलत सूचना अभियानों का दस्तावेज़ीकरण
 - फिलिस्तीनियों के खिलाफ उपयोग की जाने वाली निगरानी प्रौद्योगिकियों
 - हथियार बिक्री और सेंसरशिप में पश्चिमी संलिप्तता
- सबस्टैक और पैट्रियन जैसी प्लेटफॉर्मों पर स्वतंत्र पत्रकार संपादकीय प्रतिबंधों को बायपास करते हैं ताकि अन्यत्र सेंसर की गई आलोचनात्मक रिपोर्टिंग प्रकाशित करें।

अभिलेखागार सक्रियता:

- **फॉरेंसिक आर्किटेक्चर** और **विजुअलाइजिंग पैलेस्टाइन** जैसे सामूहिक डेटा, मैपिंग और ओएसआईएनटी (ओपन सोर्स इंटेलिजेंस) का उपयोग करते हैं ताकि इज़राइली युद्ध अपराधों, भूमि जब्ती और अपार्टहाइड नीतियों के

अनसुधार्य, दस्तावेज़ीकृत रिकॉर्ड बनाएँ - संसाधन जो अब अंतरराष्ट्रीय कानूनी दाखिलों और मानवाधिकार रिपोर्टों में उपयोग किए जाते हैं।

टेक संप्रभुता: प्लेटफ़ॉर्मों से परे निर्माण

मुख्यधारा प्लेटफ़ॉर्म जैसे X, टिकटॉक और इंस्टाग्राम अब गहराई से समझौतावादी होने को पहचानते हुए, कई तकनीशियन और समुदाय **विकेंद्रीकृत और नैतिक विकल्पों** की ओर मुड़ रहे हैं। सबसे उल्लेखनीय दो **मैस्टोडॉन** और **अपस्कॉल्ड** हैं।

मैस्टोडॉन: विकेंद्रीकृत माइक्रोब्लॉगिंग

मैस्टोडॉन **फेडिवर्स** का हिस्सा है - विकेंद्रीकृत, उपयोगकर्ता-नियंत्रित सोशल प्लेटफ़ॉर्मों का नेटवर्क। X के विपरीत, मैस्टोडॉन **अरबपति द्वारा स्वामित्व** नहीं है, विज्ञापन परोसता नहीं है और सामग्री को एल्गोरिदमिक रूप से क्यूरेट नहीं करता।

- **स्थानीय मॉडरेशन** का मतलब है कि प्रो-फिलिस्तीनी सामग्री को एल्गोरिदमिक रूप से दफन या प्रतिबंधित होने की कम संभावना है।
- कई मैस्टोडॉन इंस्टेंस स्पष्ट रूप से **एंटी-कॉलोनिअल, एंटी-अपार्टहाइड और प्रो-न्याय** ढांचों का समर्थन करते हैं।
- X पर डी-प्लेटफ़ॉर्म किए गए पत्रकार और आयोजक **मैस्टोडॉन पर उपस्थिति को पुनर्स्थापित** कर चुके हैं, इसे प्रतिरोध को अभिलेखित और बढ़ाने के लिए एक सुरक्षित हब के रूप में उपयोग करते हैं।

मैस्टोडॉन एक परिपूर्ण समाधान नहीं है - इसमें छोटा उपयोगकर्ता आधार और सीमित पहुँच है - लेकिन यह कॉर्पोरेट कब्जे और एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह का प्रतिरोध करने वाली **डिजिटल एकजुटता इंफ्रास्ट्रक्चर** के लिए एक मॉडल प्रस्तुत करता है।

अपस्कॉल्ड: मानव-केंद्रित सोशल न्यूज़

अपस्कॉल्ड पारंपरिक न्यूज़फ़ीड ऐप्स के लिए एक बढ़ता विकल्प है, जिसमें शामिल हैं:

- **एल्गोरिदमिक पारदर्शिता**
- **समुदाय-चालित सामग्री क्यूरेशन**
- **मानसिक स्वास्थ्य-जागरूक डिज़ाइन**

संलग्नता-अधिकतमकरण एल्गोरिदम का उपयोग करने के बजाय, अपस्कॉल्ड उपयोगकर्ताओं को **वे क्या देखते हैं चुनने** और **विश्वसनीय क्यूरेटर्स का अनुसरण** करने के लिए सशक्त बनाता है, ब्रांडों या प्रभावशाली लोगों के बजाय।

हस्बारा के संदर्भ में:

- अपस्कॉल्ड **प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करता है जो संतुष्टि रणनीतियों** और सामग्री बाढ़ के प्रति प्रतिरक्षा है।
- यह **मीडिया शिक्षकों और कार्यकर्ताओं** द्वारा अनफ़िल्टर्ड अपडेट साझा करने के लिए उपयोग किया जा रहा है, विशेष रूप से अन्य प्लेटफ़ॉर्मों पर सामग्री ब्लैकआउट के दौरान।
- इसकी **उद्देश्यपूर्ण सूचना उपभोग** पर फोकस **बारीकियों, इतिहास और नैतिक गवाही** के लिए स्थान बनाता है।

हालांकि अभी उभरते हुए, अपस्कॉल्ड **डिजिटल प्रतिरोध का ethos** प्रस्तुत करता है - जहाँ फीड एक प्रतिबिंब स्थान बन जाता है, न कि जबरदस्ती।

सामूहिक स्मृति परियोजनाएँ

हस्बारा ऐतिहासिक मिटाने पर निर्भर करता है: **नकबा** का, पिछले नरसंहारों का, दशकों के बेदखली का। प्रतिक्रिया में, एक नई पीढ़ी के निर्माता **प्रतिकूल इतिहास** बनाने का काम कर रहे हैं जो फिलिस्तीनी अनुभव को संरक्षित करते हैं और स्मृति को डिजिटल कॉमन्स में पुनः अंकित करते हैं।

डिजिटल स्मारक और कला:

- कलाकार और कोडर **नष्ट हुए गाँवों के इंटरैक्टिव मैप्स**, गाजा में मृतकों के लिए वर्चुअल स्मारक, और वैश्विक साम्राज्यवादी इतिहास से जुड़े औपनिवेशिक हिंसा के अभिलेखागार बनाते हैं।
- **डिकोलोनाइज़ पैलेस्टाइन** और **पैलेस्टाइनियन आर्काइव** जैसे परियोजनाएँ सरलीकरण और ऐतिहासिक भूलने की प्रतिरोध करने वाले पाठ, चित्र और मौखिक इतिहास को क्यूरेट करती हैं।

समुदाय शिक्षा:

- घास-मूल शिक्षक टीच-इन्स, पढ़ने के समूह और ऑनलाइन कोर्स आयोजित करते हैं ताकि **ऐतिहासिक संदर्भ को पुनः प्राप्त** करें और **प्रचार कथाओं को चुनौती** दें।
- ज़ीन सामूहिक और डिजिटल लाइब्रेरी अनौपचारिक लेकिन शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरी हैं **संस्थानों के बाहर राजनीतिक पुनः शिक्षा** के लिए।

कानूनी और संस्थागत धक्का

समझौतावादी प्रणालियों के भीतर भी, हस्बारा बढ़ते प्रतिरोध का सामना कर रहा है:

मानवाधिकार कानूनी कार्रवाई:

- **अल-हक्र, अदाला और डिफेंस फॉर चिल्ड्रन इंटरनेशनल-पैलेस्टाइन** जैसे समूह हस्बारा के ही विकृतियों को **अंतरराष्ट्रीय अदालत कार्यवाहियों** में साक्ष्य के रूप में उपयोग करते हैं, जिसमें नरसंहार और अपार्टहाइड मामले शामिल हैं।

विश्वविद्यालय संगठन:

- छात्र फिलिस्तीन एकजुटता पर प्रतिबंधों को विरोध, कब्जा और मुकदमों के माध्यम से चुनौती देते रहते हैं।
- कानूनी गठबंधन ने सफलतापूर्वक **एंटी-बीडीएस कानूनों** को अमेरिकी अदालतों में चुनौती दी है, तर्क देते हुए कि वे संवैधानिक वाक्पटुता संरक्षणों का उल्लंघन करते हैं।

व्हिसलब्लोअर उजागर:

- सोशल मीडिया कंपनियों और एनजीओ के पूर्व कर्मचारी अब **आंतरिक दस्तावेज़ लीक** कर रहे हैं, प्रकट करते हैं कि एल्गोरिदम कैसे समायोजित किए गए और सामग्री मॉडरेशन नीतियाँ इज़राइली लॉबिंग दबाव के साथ समन्वय में तैयार की गईं।

वैश्विक एकजुटता: संघर्ष को पुनः जोड़ना

शायद सबसे शक्तिशाली रूप से, हस्बारा के खिलाफ वैश्विक प्रतिरोध **फिलिस्तीन को अन्य मुक्ति आंदोलनों से जोड़ता है**:

- स्वदेशी समुदाय **सेटलर उपनिवेशवाद** के साझा पैटर्न को पहचानते हैं
- काली मुक्ति आंदोलन **पुलिस सैन्यीकरण** की साझा तर्क को नाम देते हैं
- दक्षिण अफ्रीका में एंटी-अपार्टहाइड दिग्गज उनके पूर्व दमनकारियों के प्लेबुक की इज़राइल की प्रतिकृति को पुकारते हैं

यह **अंतरसंबंधी एकजुटता** हस्बारा के लिए फिलिस्तीनी प्रतिरोध को अलग-थलग और कलंकित करना कठिन बनाती है। यह फिलिस्तीन को संघर्ष का एक अद्वितीय मामला नहीं, बल्कि **साम्राज्य, निगरानी और अन्याय के खिलाफ वैश्विक संघर्ष** का फोकल पॉइंट के रूप में पुनर्स्थापित करता है।

जो देखा गया है वह अनदेखा नहीं किया जा सकता - सत्य, स्मृति और कथा एकाधिकार का पतन

दशकों तक, इज़राइल की हस्बारा मशीन उल्लेखनीय सफलता के साथ संचालित हुई। इसने एक कसकर प्रबंधित छवि प्रोजेक्ट की: घेराबंदी में एक लोकतांत्रिक राज्य, स्व-रक्षा में कार्य करने वाली एक नैतिक सेना, तर्कहीन घृणा से पीड़ित एक पश्चिमी सहयोगी। यह कथा वास्तविकता के साथ-साथ मौजूद नहीं थी - इसने इसे बदल दिया, पाठ्यपुस्तकों, शीर्षकों, नीतियों और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं में रिसाव।

लेकिन कथाएँ, जैसे शासन, ढह सकती हैं।

और पिछले दो वर्षों में, कुछ अपरिवर्तनीय हुआ है।

सार्वजनिक संबंधों, प्रभावशाली अभियानों, एल्गोरिदमिक हेरफेर, कानूनी दमन और संस्थागत कब्जे पर अरबों खर्च करने के बावजूद, **सत्य टूट गया**। न कि इसलिए कि इसे अनुमति दी गई थी - बल्कि इसलिए कि यह **फटे हुए से जबरन गुज़रा**, उत्तरजीवियों द्वारा ले जाया गया, गवाहों द्वारा दस्तावेज़ीकृत और सामान्य लोगों के नेटवर्क द्वारा बढ़ाया गया जिन्होंने दूर देखने से इनकार कर दिया।

हमने गाजा में, वेस्ट बैंक में, यरूशलेम में जो देखा है - व्हिसलब्लोअरों से, डिजिटल जांचकर्ताओं से, इतिहासकारों, बच्चों और कवियों से जो सीखा है - **अनदेखा नहीं किया जा सकता**।

इसने प्रवचन को बदल दिया है।

और इसने **हमें** बदल दिया है।

कथा एकाधिकार का पतन

हस्बारा ने कभी पश्चिम में प्रमुख प्रवचन पर लगभग पूर्ण नियंत्रण के साथ संचालित किया। इसने बहस नहीं जीती - इसने **बहस की जा सकने वाली चीज़ों की शर्तों को निर्धारित** किया।

लेकिन वह एकाधिकार टूट गया है।

- **सोशल मीडिया ने गेटकीपिंग संरचना को तोड़ा**, भले ही इज़राइल अधिग्रहणों और मॉडरेशन दबाव के माध्यम से नियंत्रण को पुनः स्थापित करने के लिए जल्दबाज़ी कर रहा हो।
- **नागरिक पत्रकारिता ने अनसैनटाइज़्ड वास्तविकता से टाइमलाइन्स को भर दिया**, “रक्षा” में लिपटे युद्ध अपराधों से नज़र हटाना कठिन बना दिया।
- **फिलिस्तीनी इतिहासकार, कलाकार और कार्यकर्ता** ने वैश्विक प्रवचन में अपना उचित स्थान ले लिया, **उनके बारे में** बात करने के बजाय **उनके साथ** बात करने से इनकार करते हुए।

हाँ, X और टिकटॉक जैसी प्लेटफ़ॉर्म अब उस फटाव को दबाने के लिए पुनः उपयोग किए गए हैं - लेकिन प्रमुख कथा को क्षति हो चुकी है। हस्बारा अभी भी विकृत कर सकता है। लेकिन अब यह **मिटा** नहीं सकता।

वैश्विक नैतिक पुनः कैलिब्रेशन

कई के लिए, पिछले दो वर्ष नैतिक जागरण के रूप में कार्य किया है:

- **जो कभी जटिल फ्रेम किया गया था, अब उपनिवेशवादी के रूप में समझा जाता है।**
- **जो कभी “संघर्ष” के रूप में देखा गया था, अब अपार्टहाइड के रूप में समझा जाता है।**
- **जो कभी रक्षा के रूप में चित्रित किया गया था, अब प्रभुत्व के रूप में पहचाना जाता है।**

हमने लाइव स्ट्रीम पर बच्चों को मरते देखा है, पत्रकारों को ठंडे खून में हत्या की गई है, अस्पतालों को मलबे में बदल दिया गया है - और औचित्य रीयल-टाइम में ढह जाते हैं।

हमने सीमाओं के पार लोगों को उठते देखा है, **नस्लवाद, निगरानी, सैन्यवाद और राज्य हिंसा** के खिलाफ वैश्विक संघर्षों से फिलिस्तीन को जोड़ते हुए।

यह एक क्षणभंगुर क्षण नहीं है। यह एक **नैतिक पुनः कैलिब्रेशन** है - और हस्बारा के पास इसे उलटने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली एल्गोरिदम नहीं है।

स्मृति प्रतिरोध के रूप में

हस्बारा के हृदय में एक सरल लक्ष्य है: **मिटाना**।

- **नकबा** का मिटाना
- **औपनिवेशिक हिंसा** का मिटाना
- **फिलिस्तीनी मानवता** का मिटाना
- उन लोगों का मिटाना जो याद करने और उन्होंने जो देखा है उसे नाम देने का साहस करते हैं

और इसलिए विषम - सबसे कट्टरपंथी कार्य - **याद करना** है।

अभिलेखागार। उद्धृत करना। गवाही देना। सिखाना। बोलना, भले ही यह अलोकप्रिय हो। विशेष रूप से जब यह अलोकप्रिय हो।

स्मृति निष्क्रिय नहीं है। यह एक हथियार है। एक ऐसा जो खरीदा, दफनाया या अस्तित्व से ब्रांडेड नहीं किया जा सकता।

आगे का कार्य: कथा प्रतिरोध से संरचनात्मक परिवर्तन तक

हस्बारा को उजागर करना केवल पहला कदम है।

वास्तविक कार्य निम्नलिखित में निहित है:

- **शिक्षा का डिकोलोनाइज़ेशन** ताकि भविष्य की पीढ़ियाँ अज्ञानता में न पलें
- **कॉर्पोरेट मीडिया और टेक एकाधिकारों को चुनौती** जो युद्ध प्रचार में संलिप्त हो गए हैं
- **पीआर द्वारा मास्क किए गए अपराधों के लिए जवाबदेही की मांग** करना
- **फिलिस्तीनी मुक्ति का समर्थन** न केवल बयानी रूप से, बल्कि भौतिक रूप से

हमें खुद से पूछना चाहिए न केवल हम अब कौन से सत्य देखते हैं - बल्कि **वे सत्य हम पर कौन सी जिम्मेदारियाँ रखते हैं**।

जो देखा गया है वह अनदेखा नहीं किया जा सकता

कोई वापसी नहीं है।

चित्र वैश्विक चेतना की टाइमलाइन में जला दिए गए हैं। मृतकों के नाम हमारे फीड्स, हमारी कविताओं, हमारे विरोधों, हमारी नीतियों में जीवित हैं। इतिहास अब प्रतिरोध के बिना रीयल-टाइम में पुनर्लिखित नहीं किया जा सकता।

कथा एकाधिकार का पतन केवल एक मीडिया कहानी नहीं है। यह **हम किस प्रकार के विश्व में रहने को तैयार हैं** और क्या हम इसे स्पष्ट रूप से देखने के लिए तैयार हैं - भले ही वह स्पष्टता हमें आराम की कीमत चुकानी पड़े - के बारे में एक कहानी है।

और एक बार स्पष्ट रूप से देखा गया, हम अनदेखा नहीं कर सकते।

एक बार सुना गया, हम बहरे होने का बहाना नहीं कर सकते।

एक बार सीखा गया, हम अज्ञानता में वापस नहीं लौट सकते।

संदर्भ और आगे पढ़ने

पुस्तकें और शैक्षणिक स्रोत

- Baroud, Ramzy. **The Last Earth: A Palestinian Story**. Pluto Press, 2018.
- Pappé, Ilan. **The Ethnic Cleansing of Palestine**. Oneworld Publications, 2006.
- Khalidi, Rashid. **The Hundred Years' War on Palestine**. Metropolitan Books, 2020.
- Erakat, Noura. **Justice for Some: Law and the Question of Palestine**. Stanford University Press, 2019.
- Herman, Edward S., and Noam Chomsky. **Manufacturing Consent: The Political Economy of the Mass Media**. Pantheon, 1988.
- Fuchs, Christian. **Social Media: A Critical Introduction**. Sage Publications, 2021.
- Morozov, Evgeny. **The Net Delusion: The Dark Side of Internet Freedom**. PublicAffairs, 2011.

पत्रकारिता और जाँच रिपोर्टिंग

- +972 Magazine - www.972mag.com इज़राइली सैन्य नीति, हस्बारा, डिजिटल निगरानी और कब्जे पर गहन जाँच।
- **The Intercept** - www.theintercept.com अमेरिकी संलिप्तता, लॉबिंग प्रभाव और टेक प्लेटफ़ॉर्म हेरफेर पर जाँच।
- **Middle East Eye** - www.middleeasteye.net क्षेत्र भर में ऑन-ग्राउंड रिपोर्टिंग और मीडिया विश्लेषण।
- **Electronic Intifada** - www.electronicintifada.net स्वतंत्र फिलिस्तीनी पत्रकारिता जो गलत सूचना और अधिकार उल्लंघनों को उजागर करती है।
- **The Guardian**: “टिकटॉक गाजा बमबारी के दौरान फिलिस्तीनी सामग्री को दबाता है, निर्माता कहते हैं।” (2023)
- **Wired**: “X अब इज़राइल-फिलिस्तीन सूचना युद्ध में एक हथियार है।” (2024)
- **The New York Times**: “ओरेकल के विस्तार के रूप में लैरी एलिसन का वाशिंगटन में प्रभाव बढ़ता है।” (2025)
- **Haaretz**: “इज़राइली विदेश मंत्रालय डिजिटल प्रचार अभियानों को कैसे वित्त पोषित करता है।” (2023)

आधिकारिक दस्तावेज़ और लीक

- **2019 इज़राइली रणनीतिक मामलों के मंत्रालय निविदा** एक गुप्त डिजिटल अभियान के लिए: ~3 मिलियन NIS बजट
- **आईएचआरए यहूदी-विरोधी की परिभाषा** (वैश्विक रूप से अपनाई और चुनौती दी गई): www.holocaustremembrance.com
- **एआईपीएसी 2024 लॉबिंग प्रकटीकरण**: OpenSecrets.org
- **ट्विटर/X समुदाय नोट्स दिशानिर्देश** और मस्क के बयान (इंटरनेट आर्काइव और टेक पॉलिसी सेंटर के माध्यम से संग्रहीत)
- **ओरेकल कर्मचारी खुला पत्र**, प्रो-इज़राइल कॉर्पोरेट संस्कृति पर आंतरिक विरोध (2025 में टेकलीक्स के माध्यम से लीक)

प्लेटफ़ॉर्म अध्ययन और टेक विश्लेषण

- **फॉरेंसिक आर्किटेक्चर**: www.forensic-architecture.org इज़राइली युद्ध अपराधों और कथा दमन पर मल्टीमीडिया जाँच।
- **विज़ुअलाइज़िंग पैलेस्टाइन**: www.visualizingpalestine.org हस्बारा फ्रेमिंग को चुनौती देने वाली इन्फोग्राफिक्स और डेटा-चालित कथाएँ।
- **एल्गोरिदमवाच**: www.algorithmwatch.org सामग्री मॉडरेशन और एल्गोरिदमिक वृद्धि में राजनीतिक पूर्वाग्रह पर अध्ययन।

- **मैस्टोडॉन दस्तावेज़ीकरण:** docs.joinmastodon.org विकेंद्रीकृत मॉडरेशन प्रतिरोध मीडिया का समर्थन कैसे करता है, समझने के लिए।
- **अपस्कॉल्ड (बीटा):** www.upscrolled.org नैतिक सोशल मीडिया डिज़ाइन और डिक्लोनाइज़्ड क्यूरेशन के साथ प्रयोग करने वाली प्रारंभिक अवस्था प्लेटफ़ॉर्म।

कानूनी और मानवाधिकार संसाधन

- **अल-हक्क:** www.alhaq.org - फिलिस्तीनी मानवाधिकार कानूनी एनजीओ
- **अदाला:** www.adalah.org - इज़राइल में अरब अल्पसंख्यक अधिकार कानूनी केंद्र
- **डिफेंस फॉर चिल्ड्रन इंटरनेशनल - पैलेस्टाइन:** www.dci-palestine.org
- **ह्यूमन राइट्स वॉच:** इज़राइल की अपार्टहाइड प्रथाओं पर रिपोर्टें (2021-2025)
- **एमनेस्टी इंटरनेशनल:** "इज़राइल का फिलिस्तीनियों के खिलाफ अपार्टहाइड" (2022)

कार्यकर्ता और शैक्षिक संसाधन

- **डिक्लोनाइज़ पैलेस्टाइन:** www.decolonizepalestine.com हस्बारा, बीडीएस और नकबा इनकार जैसे प्रमुख मुद्दों पर ओपन-सोर्स, उद्धरण-भारी ब्रेकडाउन।
- **ज्यूइश वॉइस फॉर पीस:** www.jewishvoiceforpeace.org अमेरिकी नीति और इज़राइली अपार्टहाइड को चुनौती देने वाला प्रमुख एंटी-ज़ायोनीस्त यहूदी संगठन।
- **बीडीएस मूवमेंट आधिकारिक साइट:** www.bdsmovement.net बॉयकॉट वकालत पर संसाधन, अभियान टूलकिट और कानूनी अपडेट।
- **पैलेस्टाइन लीगल:** www.palestinelegal.org कार्यकर्ताओं और छात्रों के अधिकारों का बचाव करने वाला अमेरिका-आधारित कानूनी समर्थन समूह।

आगे पढ़ने की सूचियाँ और क्यूरेटेड अभिलेखागार

- "रीडिंग पैलेस्टाइन" कोलंबिया स्टूडेंट्स फॉर जस्टिस इन पैलेस्टाइन द्वारा सिलेबस (2024)
- "डिजिटल अपार्टहाइड: एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह और इज़राइल पर एक रीडर" (टेकसॉलिडैरिटी, 2025)
- "प्लेटफ़ॉर्म सेंसरशिप एंड पॉलिटिकल बायस" - एमआईटी मीडिया लैब जर्नल (वसंत 2025)

अभिलेखागार और दीर्घकालिक अनुसंधान के लिए

- **इंटरनेट आर्काइव / वेबैक मशीन** - हटाए गए या सेंसर सामग्री तक पहुँचने के लिए
- **पैलेस्टाइनियन डिजिटल आर्काइव:** www.palarchive.org
- **नकबा मैप प्रोजेक्ट:** www.nakbamap.com
- **इज़राइल-पैलेस्टाइन टाइमलाइन (IFAmericansKnew.org):** www.ifamericansknew.org